जिसमें "धनगर", जो महाराष्ट्र के शेड्यूल में आती है, वह "ओरांव" की एक sub-community है। धनगर एक अलग community है, यह उसकी रिपोर्ट है। इसलिए यह जो रिपोर्ट है, यह ओरांव की एक sub-community के संबंध में है।

डा. विकास महात्मे: सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि सरकार काम कर रही है, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि इस आरक्षण का लाभ धनगर कम्युनिटी को कैसे दिया जाएगा? क्या इसके बारे में सरकार की सकारात्मक सोच है?

श्री जुएल ओराम: सर, राज्य सरकार और भारत सरकार के बीच पत्राचार चल रहा है। अगर यह set right हो जाएगा, तो आगे इनको इसका लाभ मिल सकता है।

Visit of Foreign Minister of France

*233.SHRI SANJAY RAUT: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Foreign Minister of France has visited India recently and if so, the details thereof;

(b) whether both the countries have reviewed their bilateral relations and if so, the details and the outcome thereof;

(c) whether Rafale deal, after Supreme Court's verdict, or any other issues figured in the discussions; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Yes. The Minister of Europe and Foreign Affairs of the Republic of France, Mr. Jean-Yves Le Drian, accompanied by senior officials, visited India from 14 to 15 Dec. 2018.

On 14 Dec. 2018, Minister Le Drian visited Mumbai, where he had a call on the Chief Minister of Maharashtra, Shri Devendra Fadnavis. In Mumbai, Minister Le Drian interacted with Indian and French personalities from the film, television and tourism industries and announced the setting up the first Indo-French fund for developing scripts for co-productions.

On 15 Dec. 2018, External Affairs Minister Smt. Sushma Swaraj held delegation-level talks with Minister Le Drian in New Delhi. The two sides reviewed the broad gamut

of the multi-faceted India-France strategic partnership. The agenda included enhancing bilateral cooperation between the two countries in the areas of maritime security, counter-terrorism, civil nuclear and space cooperation, fight against climate change, people to people contacts and economic linkages. The leaders also discussed possibilities for undertaking project-driven cooperation in Africa, enhance coordination in multilateral fora, boost trade and investment linkages and the need to foster student and cultural exchanges. Minister Le Drian also made a call on PM.

During the visit, the two sides adopted a "Status of Progress for Implementation of Industrial Way Forward Agreement", in connection with the Jaitapur Power Project. A contract for cooperation was also signed between ATOS (a European IT services corporation with its headquarters in Bezons, France) and the Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC) for the development of supercomputers in India.

(c) and(d) While defence cooperation in the spirit of Make-in-India was discussed under the agenda item of enhancing economic linkages, the issue of Rafale after the Supreme Court verdict was not discussed.

श्री संजय राउत: सभापति महोदय, बहुत से देशों के विदेश मंत्री हिन्दुस्तान आते हैं, जाते हैं, चर्चा होती है, लेकिन आज के माहौल में जब फ्रांस के विदेश मंत्री हिन्दुस्तान आते हैं, तो अपने आप में उसको एक महत्व प्राप्त होता है। जिस तरह की चर्चा, चाहे राफेल हो, और भी बातें हैं...

MR. CHAIRMAN: Question, please.

श्री संजय राउत: आपने इस क्वेश्चन के उत्तर में कहा है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के पश्चात् राफेल सौदे अथवा और किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन चर्चा करने पर सर्वोच्च न्यायाल्य की कोई रोक तो नहीं थी। बंद कमरे में चर्चा हो सकती थी, हो गई होगी, लेकिन मैं उसके ऊपर सवाल नहीं पूछूंगा। लगता है आप लोग पूछना चाहेंगे।

श्री सभापति: आपका सवाल क्या है? वे क्या सवाल पूछेंगे, क्या वे आपसे सलाह लेंगे? ...**(व्यवधान)**... ठीक है, मंत्री जी।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, संजय जी ने जो कहा, सर्वोच्च न्यायालय के कारण चर्चा नहीं रुकी। आपका प्रश्न है कि क्या हम दोनों के बीच एक बारे में चर्चा हुई, तो चर्चा नहीं हुई। चर्चा इसलिए नहीं हुई, क्योंकि उस दिन सुबह ही सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया था और उसको देख कर वे बेहद खुश थे। उन्होंने एक आनन्द जरूर प्रकट किया, लेकिन चर्चा की आवश्यकता ही नहीं समझी। इसलिए मैंने यहां लिखा कि उसी दिन, यह भी संयोग था, 15 दिसम्बर को जब वे मुझसे बात कर रहे थे, उससे पहले ही, 10 बजे मेरी और उनकी मुलाकात थी, उससे पहले निर्णय आ गया था। वैसे भी उनके साथ चर्चा का काई विषय नहीं था, लेकिन वे शायद चर्चा करना चाहते, तो मैं चर्चा करने के लिए तैयार थी, लेकिन चूंकि उसी दिन निर्णय आया, तो वे केवल खुश ही थे और केवल अपनी खुशी प्रकट कर रहे थे, इसलिए मेरे और उनके बीच राफेल के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई।

MR. CHAIRMAN: The second supplementary, please.

श्री संजय राउत: सर, मैंने पहला सवाल नहीं पूछा था।

MR. CHAIRMAN: The second supplementary, if you are interested, please. टाइम है।

श्री संजय राउत: सर, मैंने यह सवाल पूछा ही नहीं था।

MR. CHAIRMAN: Okay. आप क्या सवाल पूछना चाहते हैं, वह बताइए।

श्री संजय राउत: देखिए, सर, उस वक्त First Indo-French Fund for Developing Scripts for Co-productions की एक घोषणा हुई है। हिन्दुस्तान की फिल्म इंडस्ट्री बहुत बड़ी है। बॉलीवुड है, हिन्दी फिल्म ...

श्री सभापति: सवाल प्लीज़; otherwise, I will go to the other question.

श्री संजय राउत: Regional film industries भी बड़ी film industries हैं। यह जो script development की बात है, उसमें दोनों देशों में ऐसी कौन सी व्यवस्था है, script का चयन करने के लिए, co-production करने के लिए? क्या उसके लिए सरकार ने दोनों तरफ से कोई व्यवस्था बनाई है? यह मेरा पहला supplementary है।

श्री सभापति: नहीं, एक ही supplementary होता है, मंत्री जी, प्लीज़। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय राउत: मेरा दूसरा supplementary है ...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. If you do not want an answer, ...(**व्यवधान**)... संजय राउत जी, प्लीज़ बैठ जाइए।

श्री संजय राउत: जैतापुर पावर प्रोजेक्ट के बारे में दोनों मंत्रियों में, दोनों देशों में क्या चर्चा हुई? जैतापुर हमारे महाराष्ट्र के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। मेरे ये दो सवाल हैं।

श्री सभापति: एक ही supplementary होता है। मंत्री जी, आप एक supplementary का जवाब दीजिए।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, इतना दूसरा सवाल भी बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है, मैं जरूर उसका जवाब देना चाहूंगी, क्योंकि सदन भी जैतापुर के बारे में जानना चाहेगा। जहां तक फिल्मों का सवाल है, मुझसे मिलने से एक दिन पहले वे मुम्बई गए थे, जहां उन्होंने पूरे बॉलीवुड के लोगों के साथ भी बात की थी और महाराष्ट्र के चीफ मिनिस्टर के साथ भी बात की थी। सरकार के स्तर पर बेशक कोई इस तरह की चीज़ नहीं है, लेकिन people-to people cultural exchange हमारा एक विषय जरूर होता है। मुम्बई जाकर बॉलीवुड के लोगों से और महाराष्ट्र के चीफ मिनिस्टर से उन्होंने इसके बारे में चर्चा की थी।

सभापति जी, जहां तक जैतापुर का सवाल है, निश्चित तौर पर आप उसके बारे में जानना चाहेंगे। मैं बताना चाहूंगी कि Jaitapur Nuclear Power Plant है। Civil Nuclear Cooperation में

हमारी और फ्रांस की काफी से ज्यादा अच्छी मित्रता है, सहयोग भी बहुत चल रहा है। जैतापुर पावर प्लांट के बारे में 22 मार्च, 2016 को इंडिया और फ्रांस के बीच में हस्ताक्षर हुए थे। फ्रांस की तरफ से EDF और भारत की तरफ से NPCIL इसको देख रहे हैं। मुझे सदन को यह बताते हुए खुशी है कि Jaitapur Nuclear Power Plant के तहत छ: EPR Units बनने हैं, जिनमें से हर यूनिट अपने आप में 1,650 मेगावॉट का होगा।

सभापति जी, जिस दिन यह Jaitapur Nuclear Power Plant बन कर इंस्टॉल हो जाएगा, उस दिन यह 10 गीगावॉट का, वर्ल्ड का सबसे बड़ा Nuclear Power Plant कहा जाएगा। अभी इसमें जो प्रगति हुई है, उसके बारे में मैं बताना चाहूंगी कि 22 मार्च, 2018 को, फ्रांस के राष्ट्रपति Macron यहां आए थे, उस समय एक 'Industrial Way Forward Agreement' साइन हुआ था। अभी जब उनके विदेश मंत्री जी यहां आए, तो जैतापुर के बारे में उनके साथ भी मेरी काफी बड़ी चर्चा हु थी और जो 'Industrial Way Forward Agreement' साइन हुआ था, हमने उसकी समीक्षा भी की थी।

सभापति जी, इसमें दो चीज़े हैं। एक तो हम यह चाहते हैं कि जिस समय यूनिट का रेट तय हो, उस समय हमारे लोगों के लिए अच्छा रेट तय होना चाहिए, जिसके बारे में अभी चर्चा चल रही है। उससे भी बड़ी बात यह है कि Flamanville में एक Nuclear Power Plant बनना है। महोदय, चूंकि आप Urban Development and Housing Department में थे, तो आप इस बात को ज्यादा बेहतर तरीके से जान सकेंगे कि जैसे जब कोई बिल्डर अपने फ्लैट बेचता है, तो पहले एक मॉडल फ्लैट बनाता है, ताकि लोग उसे आकर देख सकें, उस तरह, यह Flamanville Nuclear Power Plant बनना है, जिसे हम फंक्शनल तौर पर एक बार देखना चाहते हैं, उसके बाद ही हम आगे बढ़ेंगे। एक बार पहले वे हमें इसको दिखा दें। इसके बारे में हमने जो समीक्षा की, उसमें तारीखें वगैरह भी तय हो गई हैं, लेकिन Jaitapur Nuclear Power Plant, भारत और फ्रांस के बीच में, Civil Nuclear Cooperation का एक बहुत बड़ा केन्द्र है।

SHRI ANAND SHARMA: Sir, the hon. Minister in para 3 of her reply has said that the two sides reviewed the broad gamut of the muitifaceted India-France strategic partnership. She has also just now commented about the nuclear cooperation and the Jaitapur Plant which is coming up. You know the strategic cooperation and partnership between India and France is important, we recognize, but that includes the defence component. In 2016 an inter-Government agreement has been signed between India and France.

श्रीमती सुषमा स्वराज: मुझे आपकी आवाज़ साफ सुनाई नहीं दे रही है।

SHRI ANAND SHARMA: I will speak louder. The two sides, as part of the defence and strategic cooperation, have signed inter-Government agreement for the direct purchase of 36 Rafale Jet Fighters. On 10th of April, 2015, the joint statement, I would like to refer to.

MR. CHAIRMAN: No, what is your question? ...*(Interruptions)*.. You cannot go on commenting like this. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: The question is specific. ...*(Interruptions)*... It refers to the meeting between our hon. Prime Minister, Shri Narendra Modi and the then French President, Hollande. Will the Government make public the minutes of the meeting that were kept because there is a controversy and that would settle it once for all, one way or the other?

श्रीमती सुषमा स्वराज: आनन्द जी, कोई controversy नहीं है, controversy केवल आप लोगों के दिमाग में है और मैं आपसे कहना चाहती हूं कि जितने भी controversial issues आप लोगों ने उठाए हैं, उन सबका जवाब एक-एक करके सुप्रीम कोर्ट, जो हमारे देश का सर्वोच्च न्यायालय है, उसने दे दिया है, उसके बावजूद भी अगर आप 'Controversy' शब्द का इस्तेमाल करें, तो मैं कहना चाहूंगी। ...(**व्यवधान**)...

SHRI ANAND SHARMA: *

श्री सभापति: प्लीज़, प्लीज़ए ऐसे नहीं चलेगा। ...(**व्यवधान**)... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, आप भी जानते हैं कि कोई controversy नहीं है, पूरा देश जानता है कि कोई controversy नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने एक-एक मुद्दे को उठाकर चीज़ें क्लीयर कर दी हैं, उसके बाद भी अगर इनके दिमाग में 'controversy' बनी हुई है, तो इसका जवाब कोई नहीं दे सकता है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Shri Sukhendu Sekhar Ray. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: *

MR. CHAIRMAN: Okay. ...*(Interruptions)*... Nothing shall go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: *

MR. CHAIRMAN: You are satisfied or not, that is a different matter. ...*(Interruptions)*... This is Question Hour. ...*(Interruptions)*... I have allowed your question and she has answered. ...*(Interruptions)*... It cannot be to your satisfaction. ...*(Interruptions)*... Shri Sukhendu Sekhar Ray, please. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: *

MR. CHAIRMAN: It is not going on record. ...*(Interruptions)*... Anand Sharmaji, please. ...*(Interruptions)*... This is not the way. ...*(Interruptions)*... This is Parliament, that

*Not recorded.

is why I am telling you. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... We have to behave like parliamentarians. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record.

SHRI ANAND SHARMA: We are walking out under protest. ...*(Interruptions)*...

KUMARI SELJA: We will walk out, Sir. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Yes, yes. ...*(Interruptions)*... You have got every right. ...*(Interruptions)*...She has replied already. ...*(Interruptions)*...

SOME HON. MEMBERS: We are walking out.

(At this stage, some hon. Members left the Chamber)

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY: Hon. External Affairs Minister has just now said कि हमने राफेल पर चर्चा नहीं की, क्योंकि उस दिन सुप्रीम कोर्ट का नतीजा निकला और फ्रांस के विदेश मंत्री बहुत खुश थे। मेरा सवाल है कि क्या वे इसलिए खुश थे कि जो इंडियन प्राइवेट कम्पनी को काँट्रेक्ट दिया गया, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कोई जांच का निर्देश नहीं दिया? क्या वे इसलिए खुश थे, यही मेरा सवाल है?

श्रीमती सुषमा स्वराज: जैसा मैंने पहले कहा कि हमारे बीच में चर्चा का यह विषय ही नहीं था, लेकिन चूंकि उस दिन निर्णय आया, तो उनको यह लगा कि एक विवाद जो देश में बना हुआ था, वह विवाद समाप्त हो गया। वे इसके लिए खुश थे, किसी एक चीज़ के लिए नहीं। उनको, जब वे आये, तो क्योंकि अपने देश में एक विवाद बना हुआ था और उस दिन सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के बाद सारी चीज़ों का विवाद खत्म हो गया। आपने देखा कि एक-एक इश्यु को सुप्रीम कोर्ट ने उठाया और एक-एक चीज़ पर उन्होंने यह कहा कि यह भी क्लीन है, यह भी क्लीन है, यह भी क्लीन है। तो उनकी यह खुशी प्रकट हो रही थी, लेकिन हमारी चर्चा इस विषय पर नहीं हुई।

श्री संजय सिंह: सर, माननीय मंत्री जी की बातें आपमें विरोधाभासी हैं। मैं इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता हूं। सुप्रीम कोर्ट के जो जजमेंट की बात हो रही है, उसमें राफेल का CAG Audit हो चुका है, ऐसी जानकारी सरकार के द्वारा दी गयी।

श्री सभापति: आप सवाल पूछिए।

श्री संजय सिंह: सर, PAC ने उस CAG Audit को examine कर लिया। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आपका सवाल क्या है? ...(**व्यवधान**)... सवाल क्या है? ...(**व्यवधान**)... What is your question?

श्री संजय सिंह: सर, मैं पूछ रहा हूं। PAC ने ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: What is your question? You cannot give answer. You have to put the question.

श्री संजय सिंह: सर, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर का जिक्र किया। मैं याचिकाकर्ता हूं। PAC ने उस CAG Audit को examine कर लिया।

MR. CHAIRMAN: Please.

श्री संजय सिंह: इस बात का भी जिक्र किया गया तो यह गलत जानकारी सुप्रीम कोर्ट में देकर निर्णय लिया गया है। मैं यह पूछना चाहता हूं कि आप जो कह रही हैं कि फ्रांस के विदेश मंत्री के साथ राफेल पर कोई चर्चा नहीं थी और फिर आप विरोधाभासी बात कह रही हैं कि वे इस निर्णय से खुश थे। *

MR. CHAIRMAN: This is not going on record.

श्री संजय सिंह: *

श्री सभापति: बोलने का कोई मतलब नहीं है। We are going to the next question. ...*(Interruptions)*... What the Chair speaks and what a Member asks officially only goes on record, not the one which is made by Members without permission. That has to be understood by all.

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, मैंने कोई विरेधाभासी बात नहीं की। मैंने कहा कि उनसे कोई चर्चा नहीं हुई। खुशी होना और चर्चा नहीं होना, दोनों के बीच में क्या विरोधाभास है? खुशी तो उनकी बात से प्रकट हो रही थी।

श्री सभापति: ठीक है।

श्रीमती सुषमा स्वराज: वह उनके चेहरे से प्रकट हो रही थी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से हिन्दुस्तान में चला हुआ विवाद समाप्त हो गया था। ...**(व्यवधान)**... तो मैंने कौन सी बात विरोधाभासी कही है? ...**(व्यवधान)**...

* Q. No. 234 (*The Questioner was absent.*)

Promoting growth of education sector

*234.SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government proposes to work on promoting the growth of education sector to help increase the share of service sector in the country's economy;

(b) whether Government is working with different universities and institutions in this regard;

(c) whether there is a need for increased integration and collaboration between industry and universities; and

---

*Not recorded.